भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3047
बुधवार, 19 मार्च, 2025 को उत्तर देने के लिए

छात्रों हेतु इसरो के कार्यक्रम

3047. श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
श्रीमती भारती पारधी:
श्री कंवर सिंह तंवर:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश भर के सभी लोगों में अंतरिक्ष संबंधी कार्यकलापों के प्रति रुचि पैदा हो रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता पैदा करने और उन्हें अपनाने से जनसाधारण के सामाजिक और आर्थिक जीवन पर प्रभाव पड़ेगा;

(ग) यदि हां, तो क्या इसरो छात्रों और जनसाधारण के लिए जागरूकता पैदा करने और सफलता की गाथाएं सुनाने हेतु कोई आउटरीच कार्यक्रम आयोजित कर रहा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या छात्र समुदाय चन्द्रयान की सफलता के पश्चात अंतरिक्ष और खगोल विज्ञान के बारे में और अधिक जानने हेतु इच्छुक और उत्साहित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) वर्तमान में इसरो के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और इसके द्वारा विभिन्न राज्यों विशेषकर उत्तर प्रदेश में कार्यान्वित किए गए विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है और अब तक राज्यवार कितने छात्र लाभान्वित/प्रशिक्षित हुए हैं और इससे राज्यवार क्या लाभ प्राप्त हुए हैं; और

(छ) इन कार्यक्रमों का ब्यौरा और पात्रता मानदंड क्या हैं?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) जी, हां। अंतरिक्ष संबंधी कार्यकलापों ने देश भर के लोगों में उल्लेखनीय रुचि पैदा की है।

(ख) जी, हां। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा उनका अपनाया

जाना प्रोत्साहित करने से एक सामान्य आदमी के सामाजिक और आर्थिक जीवन पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ेगा। कृषि, आपदा प्रबंधन, मौसम पूर्वानुमान, संचार, नौवहन और सुदूर संवेदन जैसे क्षेत्रों में अंतरिक्ष आधारित अनुप्रयोगों से जीविका में सुधार होगा, बेहतर संसाधन प्रबंधन होगा और संयोजकता में वृद्धि होगी जिससे देश का समग्र राष्ट्रीय विकास होगा।

(ग) जी, हां। इसरो छात्रों और जनसाधारण के लिए जागरूकता पैदा करने और उनसे अपनी सफलता की गाथाएँ साझा करने हेतु नियमित रूप से विविध आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

(घ) विविध आउटरीच के प्रयासों में प्रदर्शनियां, व्याख्यान, छात्र कार्यशालाएं, ऑनलाइन पाठ्यक्रम तथा "युवा विज्ञानी कार्यक्रम (यूविका)" और "स्पेस ऑन व्हील्स" जैसे विशेष कार्यक्रम शामिल हैं। इसरो अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि जगाने के लिए सामाजिक मीडिया तथा दूरदर्शन पर प्रसारित घटनाओं के माध्यम से शैक्षिक संस्थाओं के साथ संयुक्त रूप से वेबिनारों का आयोजन करता है और जनता के साथ जुड़ता है।

(ङ) जी, हां। चंद्रयान मिशनों की सफलता ने देश भर के छात्र समुदाय को उल्लेखनीय रूप से ऊर्जित और उत्साहित किया है। भारत के चंद्र अन्वेषण कार्यक्रमों की उपलब्धियों ने अतंरिक्ष विज्ञान और खगोलिकी में छात्रों के बीच गहरी जिज्ञासा और रुचि पैदा की है।

(च) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अतंरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में छात्रों को प्रेरित और प्रशिक्षित करने हेतु उत्तर प्रदेश सहित विविध राज्यों में अनेक शैक्षिक आउटरीच कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। महत्वपूर्ण प्रयासों में **यूविका** शामिल है जिसके तहत उत्तर प्रदेश राज्य से वर्ष 2024 के लिए 700 से अधिक और वर्ष 2023 में 800 से अधिक छात्रों के पंजीकरण हुए। उत्तर प्रदेश में पंजीकृत स्पेस ट्यूटर के माध्यम से इसरो ने 5,000 से अधिक छात्रों को अपने साथ जोड़ा है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश में स्पेस ऑन व्हील्स बस लगभग 10,000 छात्रों और जनसाधारण तक पहुंची है।

(छ) इसरो के विविध शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए विवरण तथा पात्रता निम्न प्रकार हैं:

(क) युवा विज्ञानी कार्यक्रम (**यूविका** – युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम)

i. विवरण : 9वीं पास छात्र के लिए लक्षित। यह आवासीय कार्यक्रम व्यावहारिक सत्रों, विशेषज्ञ वार्ताओं तथा सुविधा भ्रमणों के माध्यम से अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोगों की मूलभूत जानकारी प्रदान करता है।

ii. पात्रता :

- 9वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों के लिए खुला है (चयन वर्ष की 1 जनवरी को)।
- चयन का आधार शैक्षिक प्रदर्शन, विज्ञान मेलों, ओलंपियाडों तथा पाठ्येतर कार्यकलापों में भागीदारी है।

(ख) स्पेस ट्यूटर

i. विवरण : इसरो प्रदर्शनियों, व्याख्यानों और कार्यशालाओं के माध्यम से अंतरिक्ष विज्ञान में जागरूकता पैदा करने हेतु इच्छुक शैक्षिक संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों/ एसटीईएम शिक्षकों की पहचान करता है।

ii. पात्रता :

- अंतरिक्ष ट्यूटर के रूप में इसरो के साथ पंजीकरण हेतु इच्छुक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए खुला है।
- सभी आयु वर्ग के छात्र जागरूकता सत्र में भाग ले सकते हैं।

(ग) स्पेस ऑन व्हील्स :

i. विवरण : अंतरिक्ष विषय आधारित प्रदर्शों से सुसज्जित मोबाइल प्रदर्शनी बस।

ii. पात्रता :

- छात्रों एवं आसपास के लोगों का भ्रमण संभव बनाने हेतु स्पेस ऑन व्हील्स को शैक्षिक संस्थाओं में पार्क किया जाएगा।

****